जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 15 संख्याः 65 प्रभात चूरू, सोमवार 3 जुलाई, 2023 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

हमारे प्राकृतिक जगत में हो रही हर घटना के लिए जलवायु परिवर्तन को जिम्मेवार नहीं ठहराया जा सकता है, इंग्लैंड में लुप्त मान ली गई एक तितली का नज़र आना इसका एक अनुपम उदाहरण है। काली शिराओं वाली सफेद तितली यू.के. के प्रधानमंत्री रहे विन्स्टन चर्चिल को बेहद प्रिय थी और किसी समय बिटिश द्वीपों में यह बेहद आम थी। पर विशेषज्ञों के अनुसार, 1925 के बाद से यह नहीं दिखी है। इस माह के आरंभ में, प्रकृति प्रेमियों ने साउथ ईस्ट लंदन के बगीचों में इसे देखा। इस खबर से प्रकृति प्रेमी और वैज्ञानिक रोमांचित हैं, लेकिन कुछ संरक्षणविदों ने घोषणा की है कि, यह बहुत खुश होने वाली बात नहीं है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि, इसका सम्बंध जलवायु परिवर्तन से हो सकता है। यह धारणा इस तथ्य पर आधारित हैं कि, यू.के. के बाहर गर्म इलाकों में, खासकर यूरोप के मेनलैंड और उत्तरी अफ्रीका में, अभी भी ये तितलियाँ भारी संख्या में मौजूद हैं। प्रकृति विशेषज्ञ सोच रहे हैं, क्या इस तितली के नज़र आने का कारण गर्म मौसम है। लेकिन इस तितली का नज़र आना किसी और नुकसानदेह घटना का परिणाम हो सकता है। यू.के. के एक संगठन, ''बटर फ्लाई कंज़र्वेशन'' ने बताया कि, तितलियों को अनाधिकृत रुप से छोड़ा गया है और अब इस बात की संभावना बहुत कम है कि, प्रजनन के लिए ये प्राकृतिक वातावरण में सरवाइव कर पाएंगी। संगठन ने कहा कि, अनाधिकृत रुप से इन्हें छोड़ना वर्तमान संरक्षण प्रयासों के लिए बाधा है। इस तरह की घटनाओं से, इस प्रजाति के प्राकृतिक आवास और रुझान का सही रिकॉर्ड तैयार करने में रुकावट आती है। पूर्व में भी इसी प्रकार लुप्त मान ली गई प्रजातियों की अनियमित रिलीज़ से अच्छे नतीजे नहीं मिले थे। इन तितलियों के पंखों का फैलाव 7 सैंटी मीटर तक होता है। मादा के पंख ज्यादा पारदर्शी होते हैं, क्योंकि वो अपने पंखों को एक दूसरे से रगड़ती हैं और इस प्रक्रिया में शल्क हट जाते हैं। यह प्रवृति नर में नहीं पाई जाती है। इस प्रजाति को सबसे पहले 1967 में ब्रिटिश प्रजाति के रुप में लिस्ट किया गया था। जैसे इनका आगमन रहस्य है, वैसे ही इसकी विलुप्ति भी एक रहस्य थी, क्योंकि जिन पौधों पर भोजन के लिए ये आश्रित होती हैं वो तो उनके पूर्व आवासों में आज भी फल-फूल रहे हैं।

शरद पवार को झटका, अजित पवार 29 विधायकों के साथ एन.डी.ए. का हिस्सा बने

अजित पवार ने महाराष्ट्र के उप मु.मंत्री पद की शपथ ली उनके साथ 7 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद ग्रहण किया

- **एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने तंज कसते हुये कहा कि, दो दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एन.सी.पी. के बारे कहा था कि, एन.सी.पी. खत्म हो चुकी पार्टी है। उन्होंने तब एन.सी.पी. में भ्रष्टाचार के आरोपों का जिक्र किया था। मुझे खुशी है कि, मेरे कुछ साथियों ने आज मंत्री पद की शपथ ली है। महाराष्ट्र सरकार में शामिल होने से यह स्पष्ट है कि, वे सभी अब आरोप मुक्त हो गए हैं।**
- **शरद पवार ने कहा कि, मैंने 6 जुलाई को सभी नेताओं की एक बैठक बुलाई थी जहां कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी थी और पार्टी के भीतर कुछ बदलाव किए जाने थे। लेकिन उससे पहले ही कुछ नेताओं ने अलग रुख अपनाया है।**

मुंबई, 2 जुलाई। महाराष्ट्र की सियासत में रविवार को एक बार फिर बड़ा सियासी ड्रामा देखने को मिला। एन.सी.पी. नेता अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार की पार्टी तोड़ दी और 29 विधायकों के साथ एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए। दोपहर ढाई बजे के करीब अजित पवार ने मंत्री पद की शपथ ली। वे उपमुख्यमंत्री के तौर पर सरकार में शामिल हुए। उनके साथ छगन भुजबल, दिलीप वाल्से पाटिल, हसन मुश्रीफ, रामराजे निंबालकर, धनंजय मुंडे, अदिति तटकरे, संजय बनसोडे और अनिल भाईदास पाटिल ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) ने एकनाथ शिंदे सरकार में अजित पवार के उपमुख्यमंत्री के तौर पर शामिल होने के बाद रविवार को पार्टी के विधायक जितेंद्र आव्हाड को महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया।

कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने एक ट्वीट में अजित पवार के एन.सी.पी. के अन्य नेताओं के साथ शपथ ग्रहण का जिक्र करते हुए कटाक्ष किया, मुझे लगता है कि इसी लोकतंत्र की जननी के बारे में मोदी अमेरिकी कांग्रेस में अपने संबोधन में बात कर रहे थे। मोदी ने पिछले महीने अमेरिकी कांग्रेस में अपने संबोधन में कहा था लोकतांत्रिक भावना के विकास में भारत लोकतंत्र की जननी है।

एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा कि, दो दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एन.सी.पी. के बारे में कहा था कि एन.सी.पी. खत्म हो चुकी पार्टी है। उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोपों का जिक्र किया। मुझे खुशी है कि मेरे कुछ साथियों ने आज शपथ ली है। उनका सरकार (महाराष्ट्र) में शामिल होने से यह स्पष्ट है कि वे सभी आरोप मुक्त हो गए हैं।

एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा कि मैंने 6 जुलाई को सभी नेताओं की एक बैठक बुलाई थी जहां कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी थी और पार्टी के भीतर कुछ बदलाव किए जाने थे, लेकिन उससे पहले ही कुछ नेताओं ने अलग रुख अपनाया है।

एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा कि मुझे बहुत से लोगों से फोन आ रहे हैं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य लोगों ने मुझे फोन किया है। आज जो कुछ भी हुआ मुझे उसकी चिंता नहीं है। कल मैं वाई.बी. चव्हाण (महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री) का आशीर्वाद लूंगा और एक सार्वजनिक बैठक करूंगा।

महाराष्ट्र के सियासी ड्रामा पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा, ''अजीत पवार काफी समय से नाराज़ चल रहे थे। वे चाहते थे कि भाजपा के साथ उनका गठबंधन होना चाहिए। लेकिन शरद पवार नहीं चाहते थे। यह बेहद बड़ा परिवर्तन है और महा विकास अघाड़ी को धक्का लगा है।''

मोदी की यात्रा से पहले फ्रांस ने आगे बढ़कर भारत को बड़ा ऑफर दिया

अमेरिका की काट करते हुये फ्रांस ने भारत को लड़ाकू विमानों के लिए एडवांस ''जी.ई.-414 इंजन'' देने की पेशकश की है तथा इनका निमार्ण भी ''मेड इन इंडिया'' प्रोग्राम के तहत कराने के लिए तैयार है

- **फ्रांस की प्रमुख कंपनी सफरान ने भारत में लड़ाकू विमानों के अत्याधुनिक इंजन निर्माण के लिए यूनिट शुरु करने की पेशकश की है।**
- **यह ऑफर भारतीय विमानवाहक पोतों के लिए ट्विन इंजन-एडवांस मल्टी रोल्ड कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (ए.एम.आर.ए.) और जुड़वां इंजन डेक-आधारित लड़ाकू विमान (ट्विन इंजन डेक बेस्ड फाइटर प्लेन्स) को शक्ति प्रदान करेगा।**

नई दिल्ली, 2 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने दो दिवसीय दौरे पर फ्रांस की राजधानी पेरिस जा रहे हैं। मोदी के पैरिस पहुँचने से पहले ही खुद आगे बढ़कर फ्रांस ने भारत को लड़ाकू विमानों के लिए जी.ई.-414 इंजन देने की पेशकश की है। गौरतलब है कि, भारत अमेरिका के साथ इसी प्रकार की एक अन्य डील करने के प्रयास में है लेकिन फ्रांस ने अमेरिका के साथ हुए सौदे से कई कदम आगे की पेशकश की है। इमैनुएल मैक्रॉन सरकार ने भारत के साथ मिलकर लड़ाकू विमानों के इंजन को संयुक्त रूप से डिजाइन, विकसित, परीक्षण, निर्माण और अंततः प्रमाणित करने का प्रस्ताव भारत को दिया है। भारत के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक फ्रांस की मैक्रॉन सरकार ने इसकी हरी झंडी दे दी है।

मामले से परिचित लोगों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी है। यह ऑफर भारतीय विमानवाहक पोतों के लिए ट्विन इंजन-एडवांस मल्टी रोल्ड कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (ए.एम.आर.ए.) और जुड़वां इंजन डेक-आधारित लड़ाकू विमान (ट्विन इंजन डेक बेस्ड फाइटर प्लेन्स) को शक्ति प्रदान करेगा।

फिलहाल सरकार की तरफ से इस सौदे के बारे में कोई खुलासा नहीं किया गया है लेकिन आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की है कि फ्रांसीसी की कंपनी सफरान द्वारा प्रस्तावित प्रौद्योगिकी का 100 हस्तांतरण यू.एस. इंटरनेशनल ट्रेड इन आर्म्स रेगुलेशन से मुक्त है और इस डील के तहत प्रस्तावित 110 किलो न्यूटन पावर वाला यह इंजन पूरी तरह से ''मेड इन इंडिया'' होगा।

डी.आर.डी.ओ. प्रमुख डॉ. समीर वी. कामत ने हाल ही में संपन्न 2023

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भाजपा की वॉशिंग मशीन'

नई दिल्ली, 2 जुलाई। महाराष्ट्र में रविवार को अचानक से बदले सियासी घटनाक्रम पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट किया और बीजेपी पर करारा तंज कसा। रमेश ने कहा कि स्पष्ट रूप से भाजपा की वॉशिंग मशीन ने अपना काम फिर से शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हुए कई नए सदस्यों पर आज

- **जयराम रमेश ने कहा कि, कल तक दागी और भ्रष्ट रहे एन.सी.पी. के नेता भाजपा की वॉशिंग मशीन में धुलकर साफ-सुथरे हो जायेंगे।**

ई.डी., सी.बी.आई. और आयकर अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। अब इन सभी को क्लीन चिट मिल गई है। महाराष्ट्र को बीजेपी के चंगुल से मुक्त कराने के लिए कांग्रेस अपनी कोशिशें तेज करेगी।

अपनं भतीजे अजित पवार की बगावत पर एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अजित पवार ने एन.सी.पी. के सिंबल पर दावा ठोका

- **अजित पवार ने कहा कि, मैं एन.सी.पी. के सिंबल पर ही अगला चुनाव लड़ूंगा**
- **अजित पवार ने इस मौके पर स्पष्ट कहा कि, पार्टी के सभी विधायक और सभी नेता उनके साथ हैं। अजित पवार ने यह भी कहा कि उन्होंने शरद पवार से फोन पर बात की है।**
- **वहीं एन.सी.पी. के दिग्गज नेता छगन भुजबल ने कहा कि, पार्टी में कोई फूट नहीं है। हमने एन.सी.पी. के रूप में ही शिंदे सरकार को समर्थन दिया है।**

मुंबई, 2 जुलाई। महाराष्ट्र में नए डिप्टी सी.एम. के रूप में पद की शपथ लेने के बाद अजित पवार ने प्रेस कांफ्रेंस की। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द होगा और इसमें कुछ और मंत्री शामिल होंगे। साथ ही अजित पवार ने यह भी कहा कि वह एन.सी.पी. के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी का नाम भी मेरे साथ ही रहेगा। इस तरह से अजित पवार ने चाचा शरद पवार को सीधे चुनौती दी है। वहीं, छगन भुजबल ने कहा कि पार्टी में फूट नहीं है। हमने एन.सी.पी. के रूप में ही शिंदे सरकार को समर्थन दिया है। अजित पवार ने इस मौके पर स्पष्ट कहा कि पार्टी के सभी विधायक और सभी नेता उनके साथ हैं। अजित पवार ने यह भी कहा कि उन्होंने शरद पवार से फोन पर बात की है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके पास शरद पवार का आर्शीवाद है, तो उन्होने कहा कि सभी का मतलब सभी।

अजित पवार ने कहा कि पी.एम. मोदी देश के विकास के लिए काम कर रहे हैं। इसलिए मुझे लगा कि हमें भी इसमें शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष की बात करें तो कहीं लेफ्ट बनाम ममता तो दिल्ली में कांग्रेस बनाम आप चल रहा है। ऐसे में विपक्षी एकता से कुछ बात बनने वाली है। पी.एम. मोदी के खिलाफ विपक्ष बिखरा हुआ है। इसलिए हमने सरकार के साथ जाने का फैसला किया। शिंदे सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध, इसलिए हमने विकास के साथ जाने का फैसला किया। कई लोग अलग-अलग तरह की टिप्पणी करेंगे, इस पर हमें ध्यान देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि एन.सी.पी. में नए लोगों को मौका मिलेगा। नागालैंड में भी एन.सी.पी. भाजपा सरकार के साथ गई थी। वहां पर भी विकास पर फोकस किया गया था।

प्रेस कांफ्रेंस में मौजूद एक अन्य प्रमुख एन.सी.पी. नेता छगन भुजबल ने कहा कि वह अजित पवार की बातों से पूरी तरह से सहमत हैं। उन्होंने कहा कि हमने एन.सी.पी. छोड़ी नहीं, बल्कि एन.सी.पी. के साथ हैं। भुजबल ने कहा कि हमने पी.एम. मोदी की आलोचना की, लेकिन सच यह है कि देश उनके हाथों में सुरक्षित है। ओ.बी.सी. से जुड़े कई मामलों को केंद्र की सहायता से हल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका में 29 लोगों को गोली मारी गई

वाशिंगटन, 2 जुलाई (वार्ता)। अमेरिका के मैरीलैंड प्रांत के बाल्टीमोर शहर में गोलीबारी में कई लोग मारे गए जबकि 29 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय मीडिया ने रविवार को दी। खबरों के अनुसार, यह घटना ब्रुकलिन होम्स इलाके में एक सभा के दौरान हुई।

- **अमेरिका के मैरीलैंड प्रांत के बाल्टीमोर शहर में गोलीबारी में कई लोग मारे गए, जबकि 29 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय मीडिया ने रविवार को दी।**

फॉक्स न्यूज ने पुलिस के हवाले से कहा कि घायल लोगों में से 19 खुद ही अस्पताल में भर्ती हुए जबकि 10 अन्य घायलों को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गोलीबारी में मरने वालों की संख्या चार है हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है।

कांटों से सजा ताज है पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का पद?

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति से परेशान होकर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घोषणा की है कि वे, अपने कार्यकाल के अंत में प्र.मंत्री का पद छोड़ देंगे

- **गौरतलब है कि, प्रधानमंत्री होने के नाते शहबाज शरीफ को अपने देश के गम्भी आर्थिक हालात से निपटने के लिए देश-दुनिया में जगह-जगह कर्ज की तलाश में भटकना पड़ रहा है। शायद, इसी बात से प्र.मंत्री शहबाज शरीफ अब उकता चुके हैं।**
- **लाहौर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शाहबाज शरीफ ने साफ संदेश में कहा कि, अगले चुनाव की घोषणा करना और कराना चुनाव आयोग का काम है, संविधान के मुताबिक यह काम चुनाव आयोग को करना है।**

इस्लामाबाद, 2 जुलाई। पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति से शहबाज शरीफ उकता गए हैं। प्रधानमंत्री के होने के नाते यह पद उनके लिए एक कांटों भरा ताज जैसा हो गया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने ऐलान किया है कि वह अपने कार्यकाल के अंत में सरकार छोड़ देंगे। लाहौर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शाहबाज शरीफ ने साफ संदेश में कहा कि चुनाव की घोषणा करना और कराना चुनाव आयोग का काम है, संविधान के मुताबिक यह काम चुनाव आयोग को करना है।

उन्होंने कहा कि अगर चुनाव में किसी और को मौका मौका मिलेगा तो हम पूरा सहयोग करेंगे, अगर हम तुम और मैं को छोड़कर हम नहीं बनेंगे तो पाकिस्तान का विकास नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि आई.एम.एफ. के साथ समझौते से रातों-रात महंगाई कम नहीं होगी, महंगाई को नकारना खुद के साथ एक धोखा है। शाहबाज शरीफ ने कहा कि सीनेट के चेयरमैन ने खुद कहा है कि वह प्रोत्साहन बढ़ाने वाले बिल को वापस ले लेंगे, आई.एम.एफ. का कार्यक्रम अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए घी या मिठाई नहीं है।

गले तक कर्ज में डूबा पाकिस्तान लगातार अपनी अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए भीख का कटोरा लेकर आई.एम.एफ. के दरवाजे पर पहुंचा था। 6.5 अरब डॉलर के कर्ज की पेशकश करने वाले पाकिस्तान को अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान ने 3 अरब का कर्ज मिला है। पाकिस्तान को इस कर्ज की काफी वक्त से दरकार थी। पाकिस्तान के पी.एम. शहबाज शरीफ ने कर्ज पाने के लिए एडी-चोटी का जोर लगा दिया था।

पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति की बात करें तो महंगाई चरम पर पहुंच गई है। वहां आटा चावल का दाम आसमान छू रहा है। स्थिति ऐसी है एयरलाइन्स को भी चलाने के लिए पड़ोसी के पास पैसे कम पड़ रहे हैं। अपना खर्च चलाने के लिए पाकिस्तान ने अपने काबिल दोस्त - चीन, सऊदी अरब और यू.ए.ई. से कर्ज ले चुका है। ऐसे में आई.एम.एफ. से भी पाकिस्तान ने कर्ज ले लिया।

मुश्किल हालात से गुजर रही पाकिस्तान की इकॉनमी लगातार गर्त में जा रही है। पाकिस्तान वित्तीय सहायता लेकर खुद को डिफॉल्ट होने से बचाने की कोशिश कर रहा है। वहीं शहबाज शरीफ को इस बात की आशा है कि पाकिस्तान को अब और कर्ज लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

'जे.एन.यू. में ''72 हूरें'' की स्क्रीनिंग

नई दिल्ली , 2 जुलाई (वार्ता)। टीजर लांच से ही विवादों के बीच रही फिल्म 72 हूरें की विशेष स्क्रीनिंग यहां जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय (जे.एन.यू.) में चार जुलाई को जायेगी।

फिल्म के निर्माता ने जे.एन.यू. में

- **टीजर लांच से ही विवादों के बीच रही फिल्म ''72 हूरें'' की विशेष स्क्रीनिंग यहां जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय में चार जुलाई को जायेगी।**

72 हूरें की विशेष स्क्रीनिंग के बारे में कहा, यह कश्मीरी मुसलमानों और अन्य छात्रों के लिए एक फिल्म के प्रति अपने विचार और प्रतिक्रिया व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण क्षण प्रस्तुत करता है जो आतंकवादी शिविरों की भयानक वास्तविकता को उजागर करता है। इससे पहले, फिल्म के निर्देशक संजय पूरन सिंह चौहान ने टिप्पणी की थी, अपराधियों द्वारा दिमाग में धीमी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)